सम्बन्ध में आप का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं ।

MR. SPEAKER: Please read the statement.

श्री रामजी लाल सुमन : मैं उसी हिसाब से बोल रहा हूं, हमारी मंशा वही होगी इसलिये उसी भाषा में पढ़ना आवश्यक नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय, आज सेन्ट्रल हाल में और उसके बाहर लोगों ने "इन्कलाब जिन्दाबाद" के नारे लगा कर उस महान व्यक्ति के प्रति अपनी श्रृद्धांजलि अर्पित की है और इस सदन के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। बाबा साहेब हिन्दुस्तान के करोड़ों शोषित लोगों के प्राण थे। इस देश का संविधान बना कर उन्होंने जो काम किया, वह हिन्दुस्तान के इतिहास में अभूत-पूर्व था। बाबा साहेब के जन्म दिवस का महत्व इसलिये भी है कि इस देश में जो संविधान बना और उस संविधान में जिन मान्यताओं की व्यवस्था की गई, हिन्दुस्तान मैं पिछले दिनों आपातकाल के चलते और उसके पूर्व भी उन समस्त मान्यताओं को बदलने का काम किया गया, जिनकी किसी भी लोकतांत्रिक देश में बहुत आवश्यकता थी ।

आज बाबा साहेब के जन्म दिवस पर मैं आपसे दरख्वास्त करता हूं और सम्भवत: आप भी मेरी इन भावनाओं से सहमत होंगे कि आज जो वातावरण इस देश में हरिजनों के प्रति बना हुआ है, उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किये जाने से उस काम को तथा वातावरण को साफ करने में बहुत बल मिलेगा तथा इससे उस महान आत्मा के प्रति सम्मान आदर प्रकट होगा।

मैं समझता हूं कि आप मेरी भावनाओं को निश्चित रूप से सम्बद्ध मंत्री जी तक पहुंचा देंगे ।

(v) PLACING OF INTERIM REPORT OF SHAH COMMISSION OF INQUIRY BEFORE PARLIAMENT

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad): Mr. Speaker, by your leave, I proceed to make the following statement on the Interim Report submitted by the Shah Commission of Inquiry.

The Shah Commission of Inquiry is reported to have submitted an interim report over two months ago. In view of the fact that the Commission's terms of reference are of great public interest and of considerable importance for the future of democracy in India, it is imperative that the interim report, together with the memorandum regarding the action taken, or proposed to be taken thereon by Government, should be laid on the Table of the House without further delay. I hope and trust that Government is fully alive to the need of the hour.

May I ask whether these statements made under rule 377 are conveyed to the Ministries?

MR. SPEAKER: Beforehand. They are conveyed immediately and they are expected to, if they choose, to make a statement on that either today or any other subsequent day.

AN HON. MEMBER: They don't do it.

MR. SPEAKER: I cannot compel them.